हिन्दुस्तान 29-5-12

नई दिल्ली, पांच प्रदेश, 18 संस्करण www.livehindustan.com वर्ष 77, अंक 127, 16 पेज+4 पेज नंदन, मूल्य ₹ 4.00, हिन्दुस्तान

लड़कियां फिर निकलीं आगे पर दिल्ली की शान बने क्षितिज

नई दिल्ली | प्रमुख संवाददाता

सीबीएसई की 12वीं बोर्ड की परीक्षा में फिर लड़कियों ने बाजी मारी है। इस बार 86.21 फीसदी लड़कियां पास हैं जबकि लड़कों का पास प्रतिशत 75.80 रहा जो लड़कियों के पास प्रतिशत से 10.41 फीसदी कम है। चेन्नई जोन का प्रदर्शन सबसे अच्छा रहा। मणिपुर के मोहम्मद इशमत 500 में से 495 अंक लाकर देश भर में अव्वल हैं, जबकि दिल्ली जोन में डीपीएस आरके पुरम के क्षितिज जैन पहले स्थान पर हैं।

दिल्ली जोन में दूसरे स्थान पर सेंट माइंकल स्कूल की हिमांशी खत्री, अमेटी इंटरनेशनल के संचित टंडन, बिरला विद्या निकेतन के जतिन और सरदार पटेल स्कूल की पंखुरी दुदानी हैं। इनके 489 अंक हैं। जबकि तीसरे स्थान पर पांच छात्र-छात्राएं रहे। इनमें रामजस स्कूल के आर. राहुल, डीपीएस के मुदित गुप्ता, महावीर सीनियर सेकेंडरी स्कूल के अखिल जैन, डीपीएस की इप्शिता अग्रवाल और स्प्रिंगडेल्स की रिया शर्मा रही।

दिल्ली क्षेत्र में परीक्षा में बैठने वाले 2.28 लाख छात्रों में 85.40 प्रतिशत उत्तीर्ण हुए जबकि पिछले वर्ष 85.45 प्रतिशत पास हुए थे। इस बार दिल्ली में सरकारी स्कूलों के छात्रों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। सरकारी स्कूलों के 87.70 फीसदी छात्र पास हुए जबकि पिछले वर्ष 87.53 प्रतिशत छात्र पास हुए थे। दिल्ली में निजी स्कूलों का प्रदर्शन भी पिछले साल से बेहतर रहा।

इस बार दिल्ली जोन में लड़कियों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। इस वर्ष 12वीं बोर्ड में 90.06 प्रतिशत लड़कियां पास हुई जबकि पिछले वर्ष 89.72 फीसदी लड़कियां पास थीं। हालांकि छात्रों के कुल प्रदर्शन में पिछले वर्ष के मुकाबले गिरावट दर्ज की गई है।

परीक्षा में 81.14 प्रतिशत छात्र सफल रहे जो पिछले वर्ष के मुकाबले 0.54 प्रतिशत कम है। इस बार के परिणाम में चेन्नई क्षेत्र का प्रदर्शन अन्य क्षेत्रों के मुकाबले बेहतर रहा। चेन्नई क्षेत्र के छात्रों का पास प्रतिशत 90.59 रहा।

● कटऑफ में नरमी की उम्मीद नहीं; पेज-2

ऑलइंडिया टॉपर

ये हैं दिल्ली-एनसीआर के तीन सितारे

मो. इशमत (मणिपुर) 99%

सुचिता बांथिया (गुड़गांव) 98.2%

क्षितिज जैन (दिल्ली) 98%

अदिति जैन (नोएडा) 98%

8,15,749 छात्र हुए परीक्षा में शामिल, **5.94** प्रतिशत ज्यादा 2011 के मुकाबले, **90.59** फीसदी पास छात्रों के साथ चेन्नई जोन सबसे आगे **82.51** फीसदी नियमित छात्र हुए पास **38.85** फीसदी पत्राचार माध्यम के छात्र पास

केवी और नवोदय आगे

दिल्ली में नवोदय और केंद्रीय विद्यालयों का प्रदर्शन बेहतर रहा है। नवोदय में 91.20% जबकि केवी में 95.53% छात्र पास हुए। निजी विद्यालयों के केवल 90% छात्रों को ही सफलता मिली है।

मिलेगी फोटो कॉपी

अपनी उत्तर पुस्तिका की फोटो कॉपी लेने के लिए 31 दिन बाद छात्र आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा पूरक परीक्षा 16 जुलाई 2012 को आयोजित की जाएगी।

सिंगल इंजीनियरिंग एंट्रेंस अगले साल से

नई दिल्ली | विशेष संवाददाता

अगले साल से आईआईटी समेत सभी केंद्रीय इंजीनियरिंग संस्थानों में ज्वाइंट एंट्रेंस एग्जामिनेशन से दाखिला मिलेगा। मानव संसाधन विकास मंत्री कपिल सिब्बल ने सोमवार को कहा कि नए पैटर्न से ली जाने वाली परीक्षा में बारहवीं के बोर्ड के अंकों को खास वेटेज दी जाएगी। सिब्बल ने कहा कि जेईई लागू होने से कोचिंग के कारोबार को झटका लगेगा।

सिब्बल के मुताबिक नए टेस्ट में तीन भाग होंगे। एक 12वीं की बोर्ड परीक्षा, दूसरा मेन टेस्ट तथा तीसरा एडवांस टेस्ट। दोनों टेस्ट के एक-एक प्रश्न पत्र होंगे जिनकी परीक्षा एक ही दिन ली जाएगी।

आईआईटी के लिए 12वीं और मेन टेस्ट के अंकों को पचास-पचास फीसदी की वेटेज दी जाएगी। बोर्ड और मेन टेस्ट की मेरिट के आधार पर करीब 50 हजार छात्रों को छांटा जाएगा। छात्रों का चयन रैंकिंग या कटऑफ किसी एक आधार पर किया जाएगा। आईआईटी के लिए बोर्ड परीक्षा के अंक और मेन टेस्ट के परिणाम सिर्फ छात्रों की स्क्रीनिंग का कार्य करेंगे, जबकि एडवांस टेस्ट मेरिट तय करेगा। सिब्बल ने कहा कि एनआईटी, आईएसएसआर जैसे केंद्रीय इंजीनियरिंग संस्थानों के लिए एडमिशन का दूसरा फार्मूला अपनाया जाएगा। इसमें तीनों हिस्सों के अंक जोड़कर मेरिट बनाई जाएगी।

● स्कोर सुधारने का एक और मौका : पेज-5

लगा दी मुहर

● टेस्ट का नाम होगा ज्वाइंट एंट्रेस एग्जामिनेशन (जेईई) ● हर साल एक बार होगी परीक्षा ● छात्रों को दिए जाएंगे दो मौके ● बारहवीं बोर्ड के अंकों को खास वेटेज ● कई राज्य भी नया पैटर्न लागू करने पर सहमत

नए टेस्ट से न सिर्फ प्रतिभाशाली छात्र मिलेंगे बल्कि बोर्ड की पढ़ाई के प्रति भी छात्रों का रुझान बढ़ेगा। इससे शीर्ष संस्थानों में कोचिंग लेकर एडमिशन पाना मुश्किल होगा और कोचिंग फैक्टरियों पर रोक लगेगी।

कपिल सिब्बल, मानव संसाधन विकास मंत्री